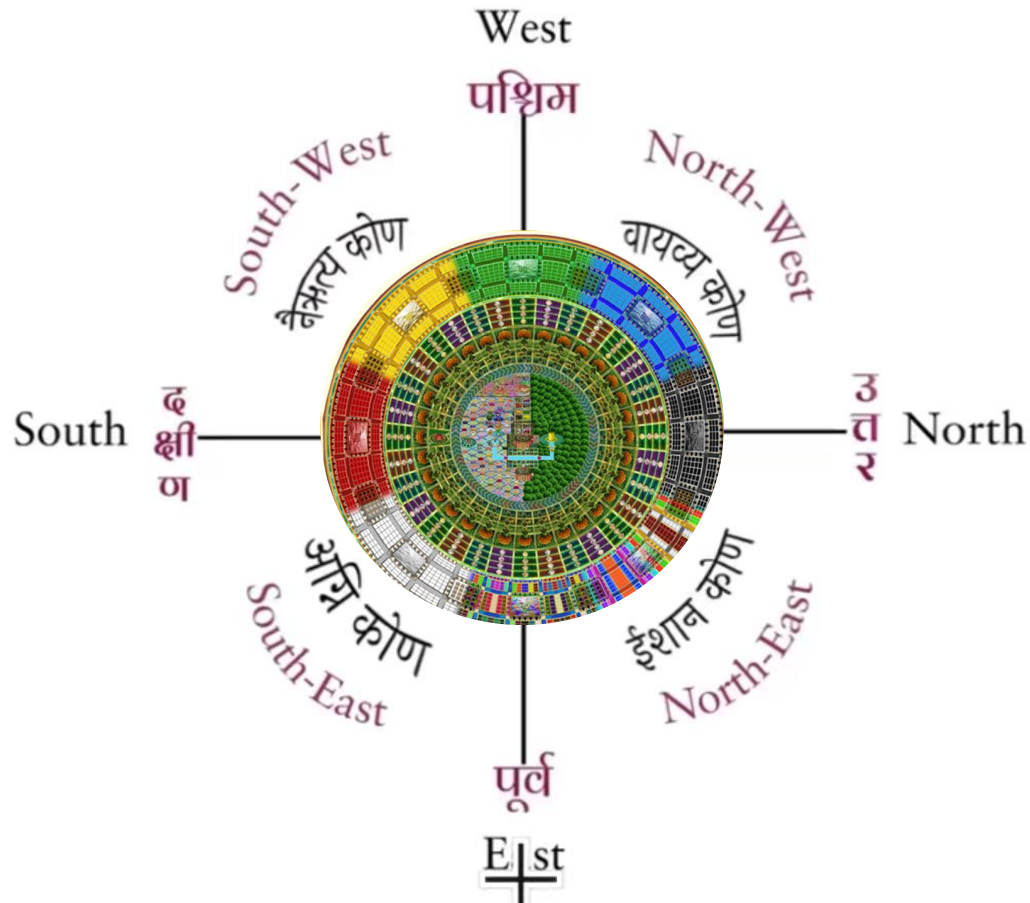


6,7,8 पोहर (9:00PM-6:00AM)

पूनम: 7,8 पोहर (12:00AM-6:00AM)



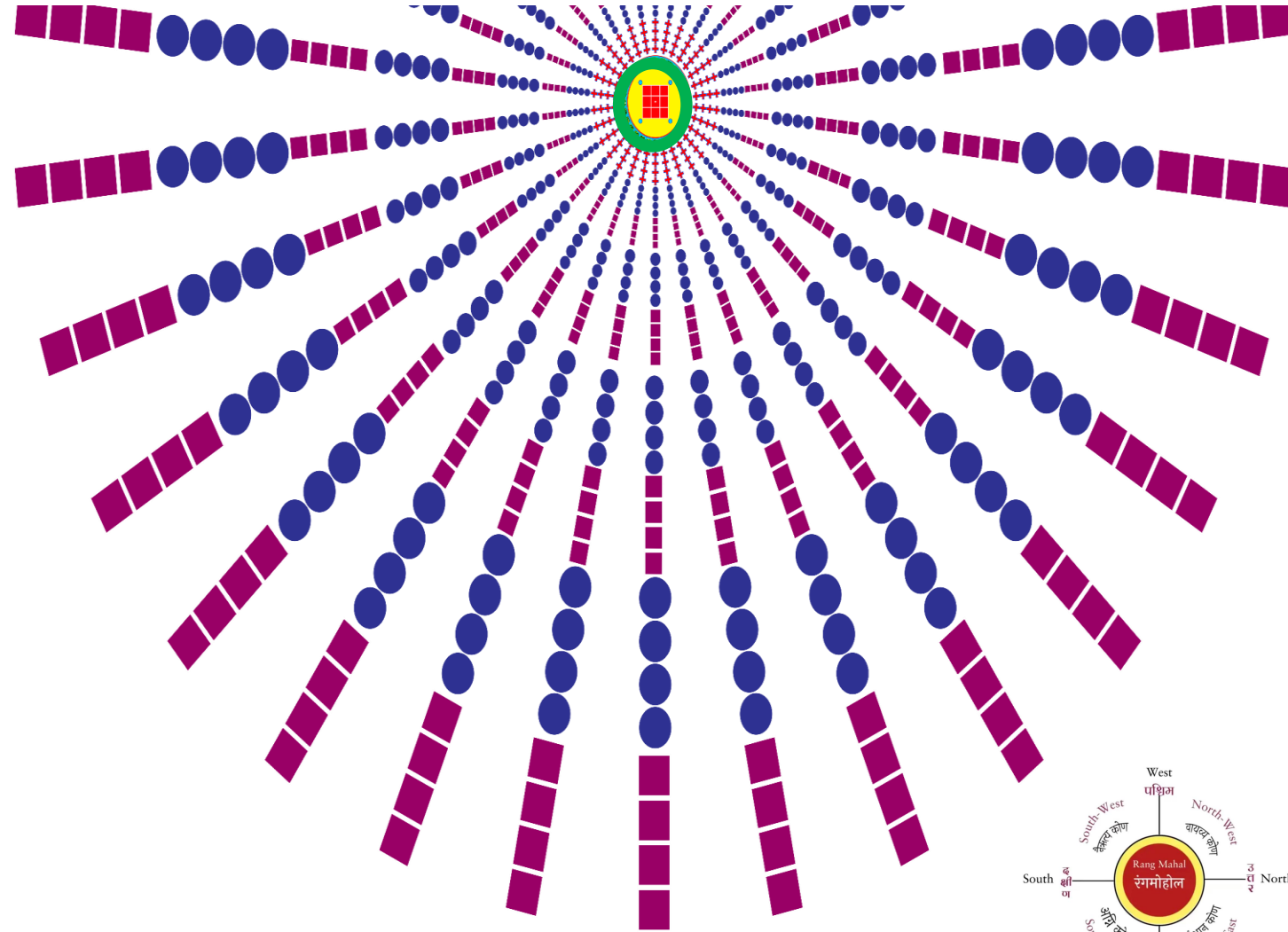
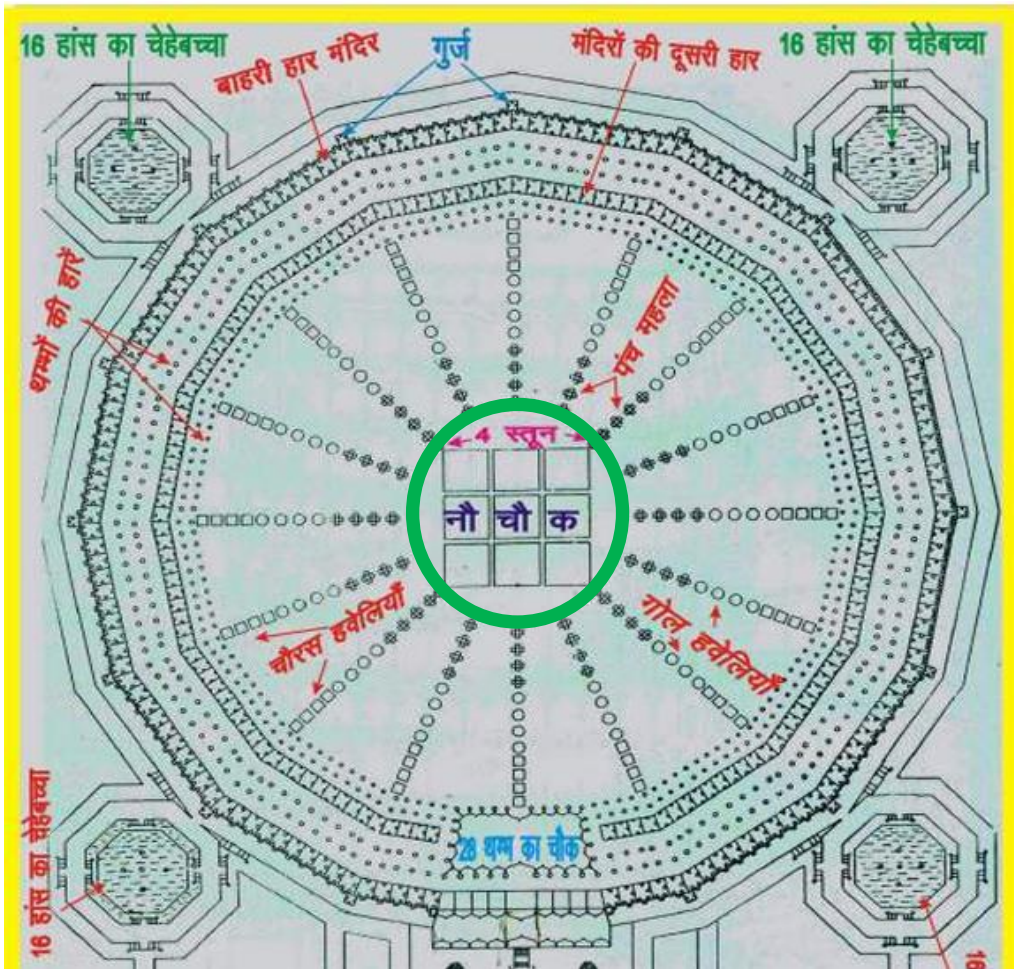
महामत कहे ए मोमिनो, तुम उतरे नूर के पार ।
याद करो ठैर अपना, जो है नित बिहार ॥१०५॥

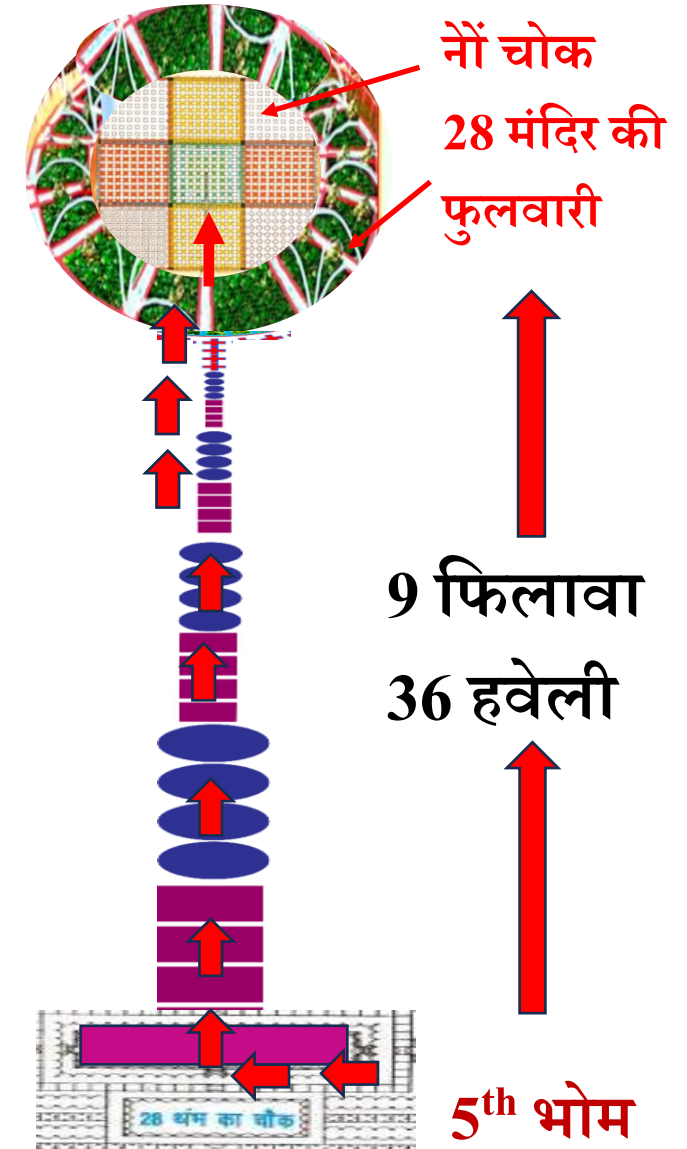
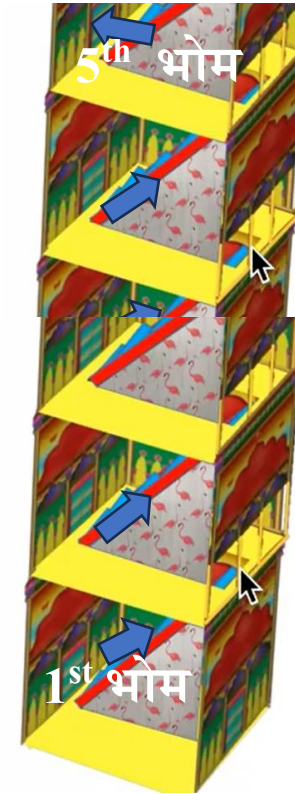
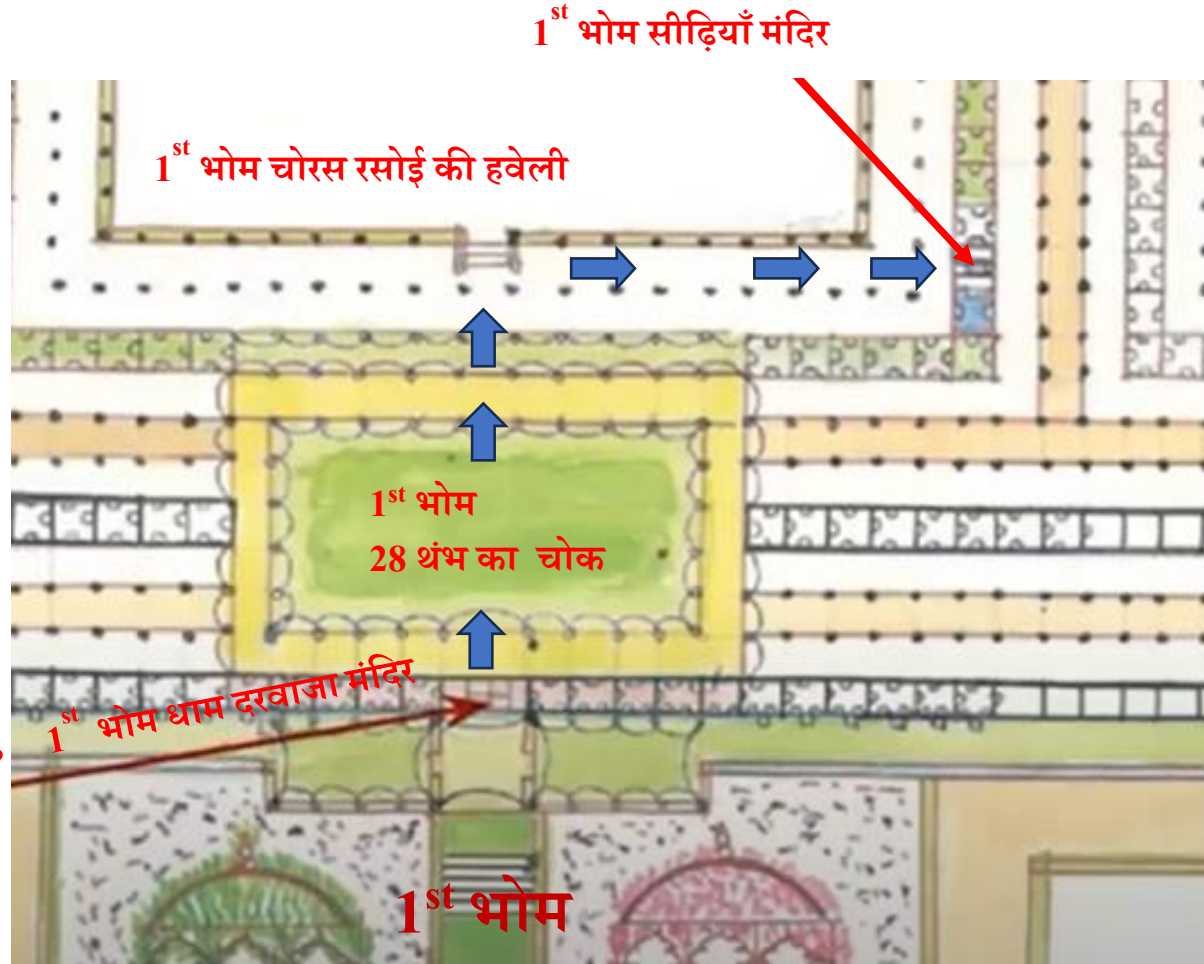
धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे ।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए ।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के ॥

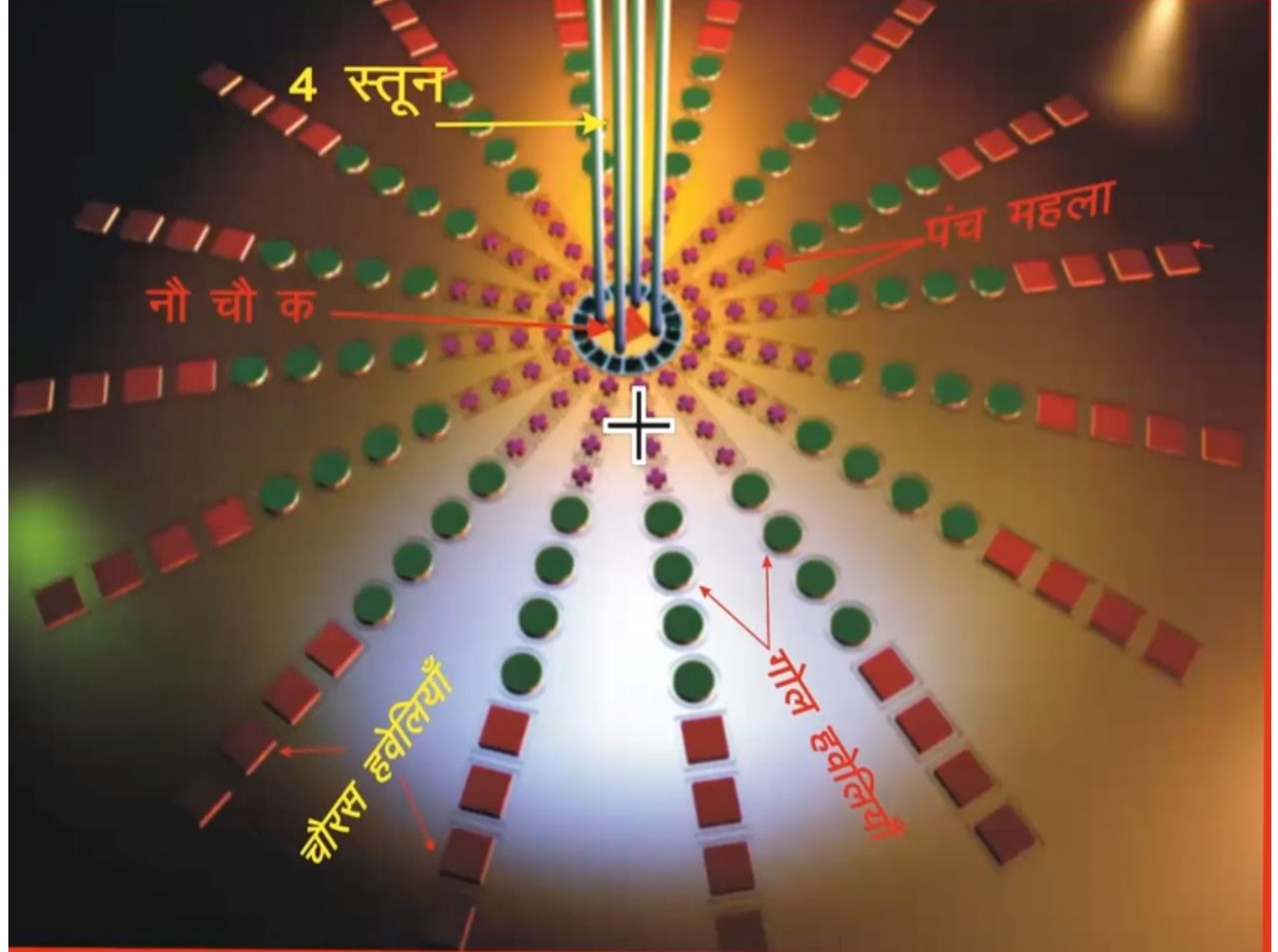
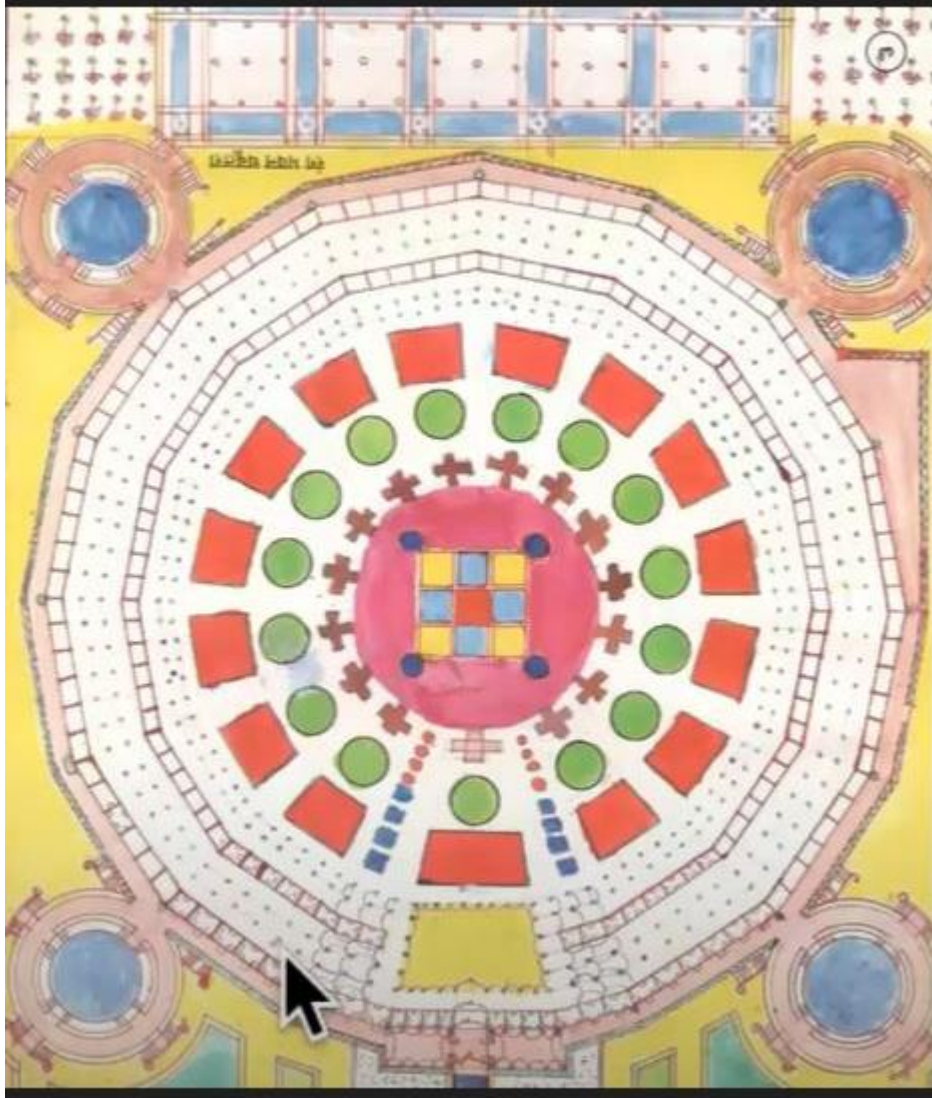
नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ॥

अब कहूं भोम पांचमी, जहां पौढ़न को पधारत ।
निरत देख के चढ़त है, पोहोर एक रात बखत ॥१॥
ए जिमी जवेर सब नूर की, ए बाहेदत सब विस्तार ।
जाको कहिए अद्वैत, सो जानत परवरदिगार ॥२॥
इनो को बोलावत अरस में, इनो को परवरदिगार ।
सुख दिखावत कायम, जो है नित बिहार ॥३०॥
तुम देखो अपनी ठौर को, कैसे सुख हैं तुम ।
ए इन जिमी केहेलावत, हक सुभान का हुकम ॥३१॥
कहूं पांचमी भोम की, चौक मंदिर नूर गलियन ।
द्वार दिवाल कमाड़ी नूर की, रहे मोमिन दिल रोशन ॥३८॥

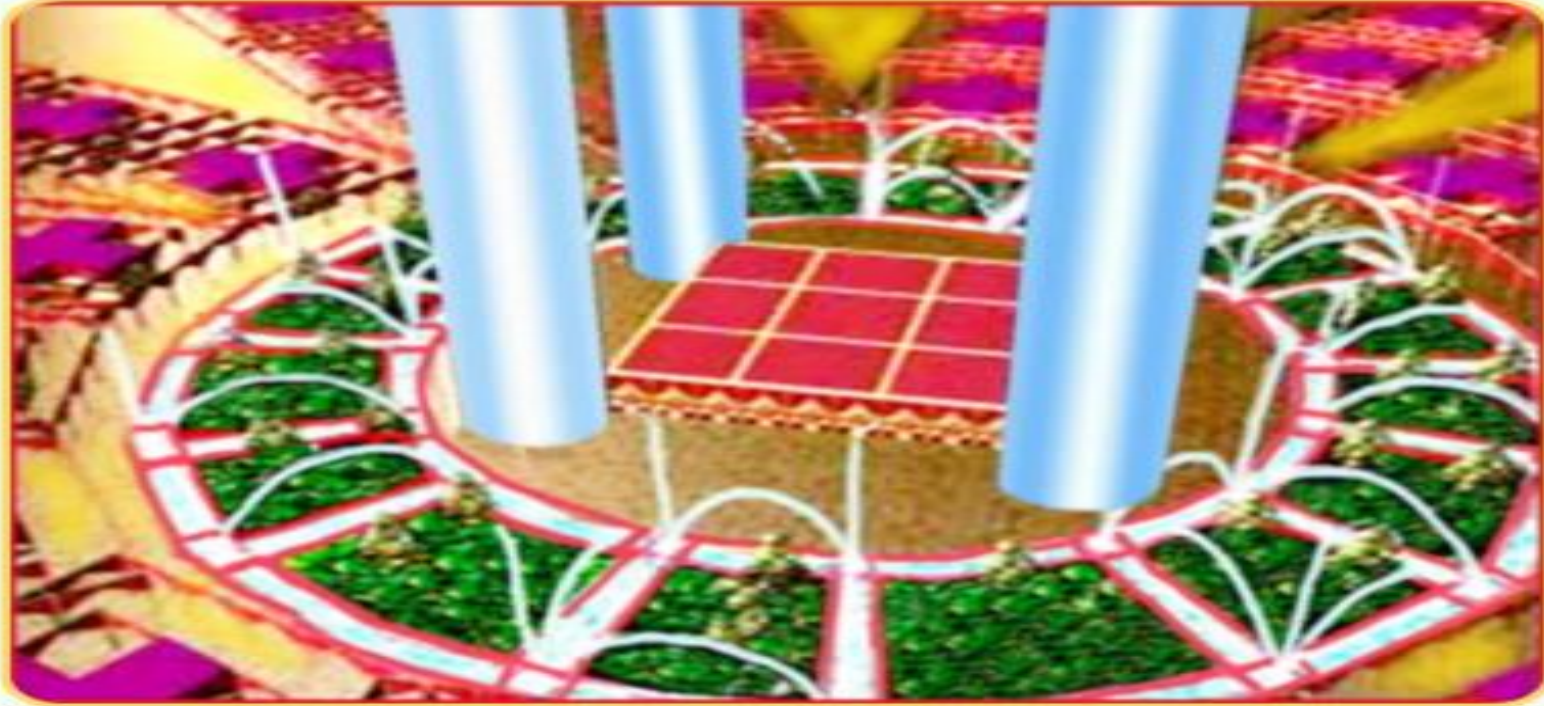






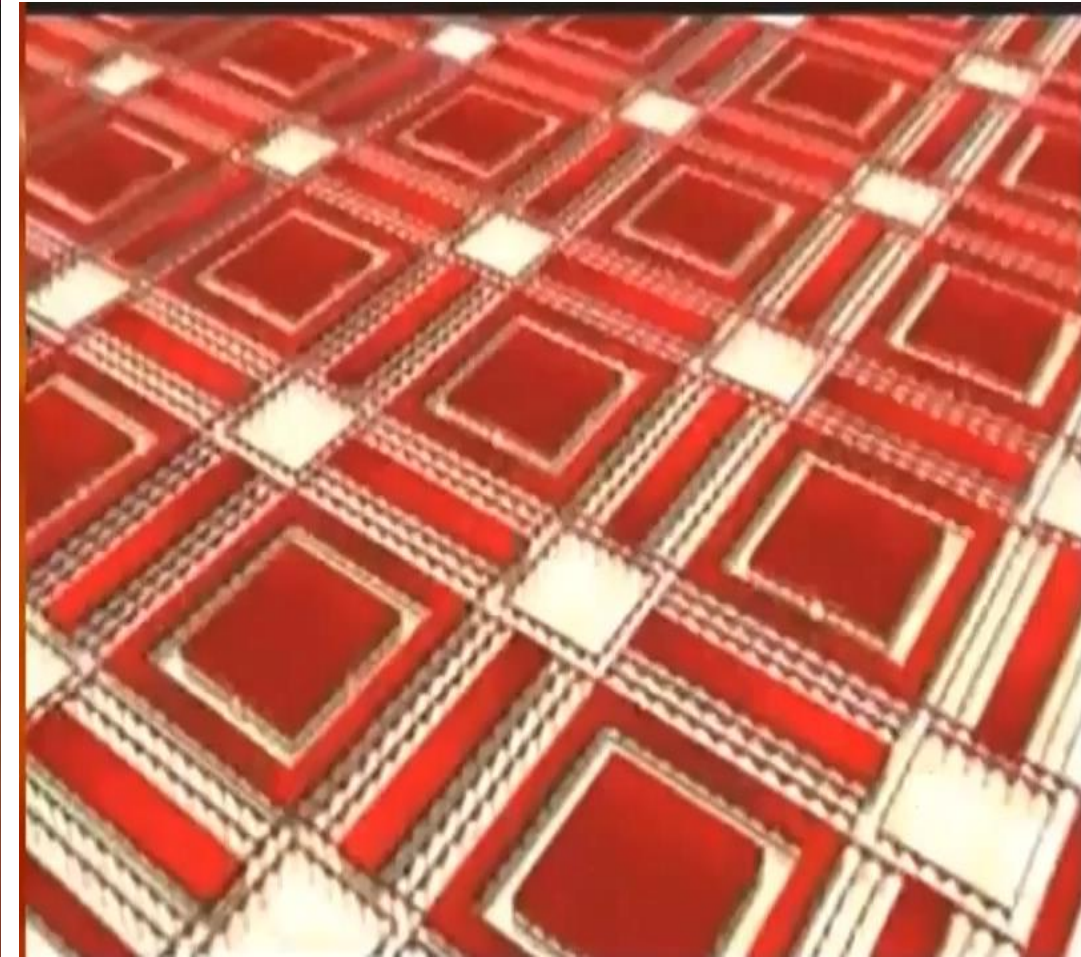


सुख बड़ो भोम पांचमी, मध्य मंदिर बारे हजार ।
बीच मोहोल स्यामाजीय को, इन चारों तरफों द्वार ॥



भोम पांचवी मध की, इत पौढ़त हैं रात ।
स्याम स्यामा जी साथ सब, जोलों होए प्रभात ॥

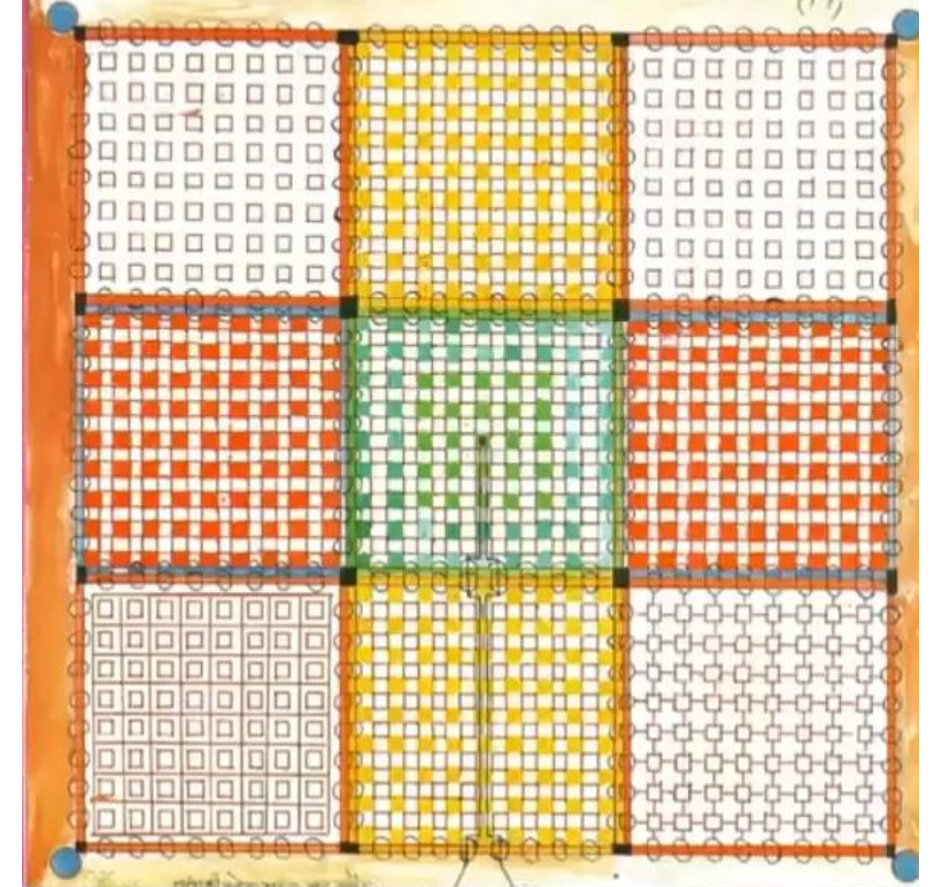
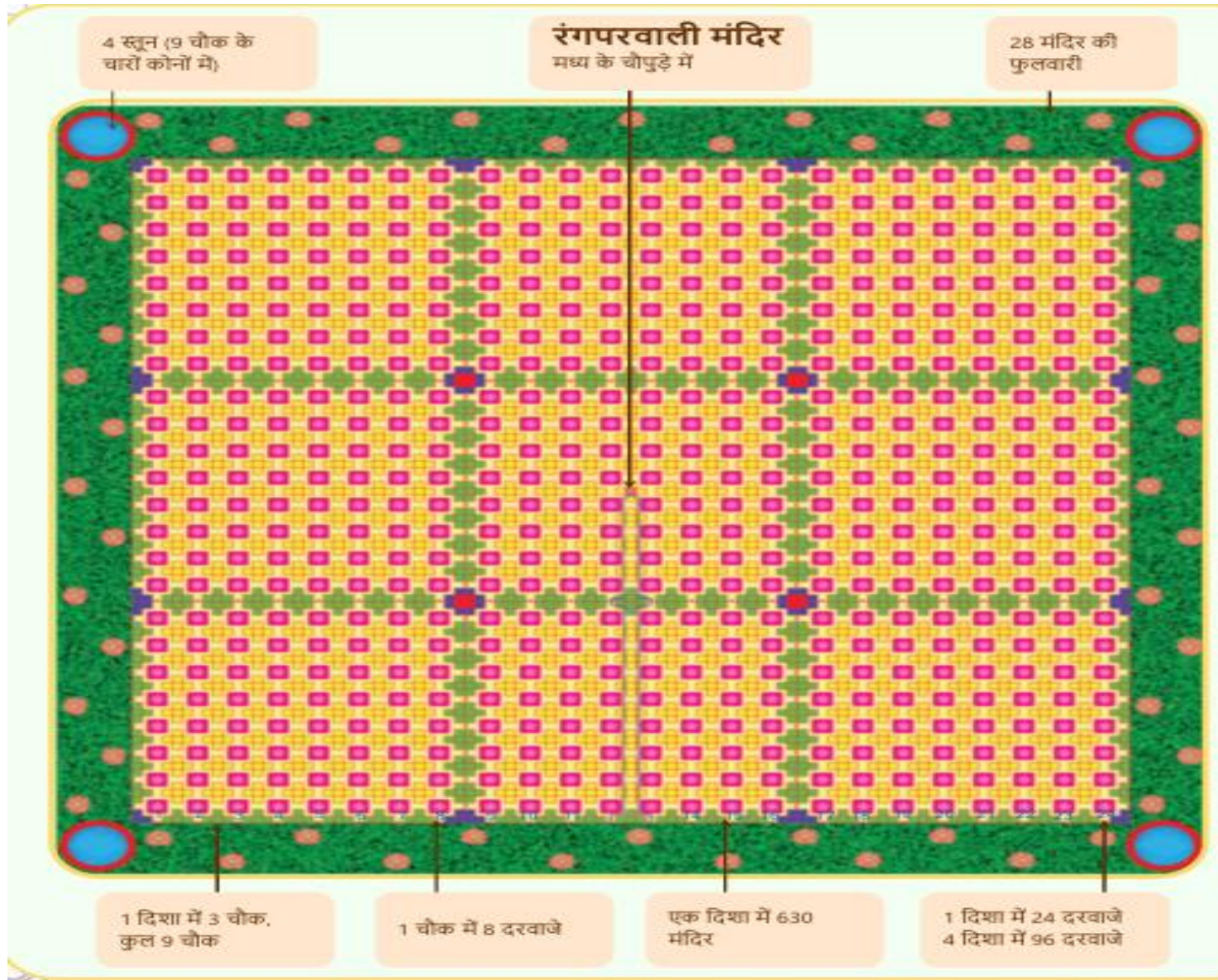


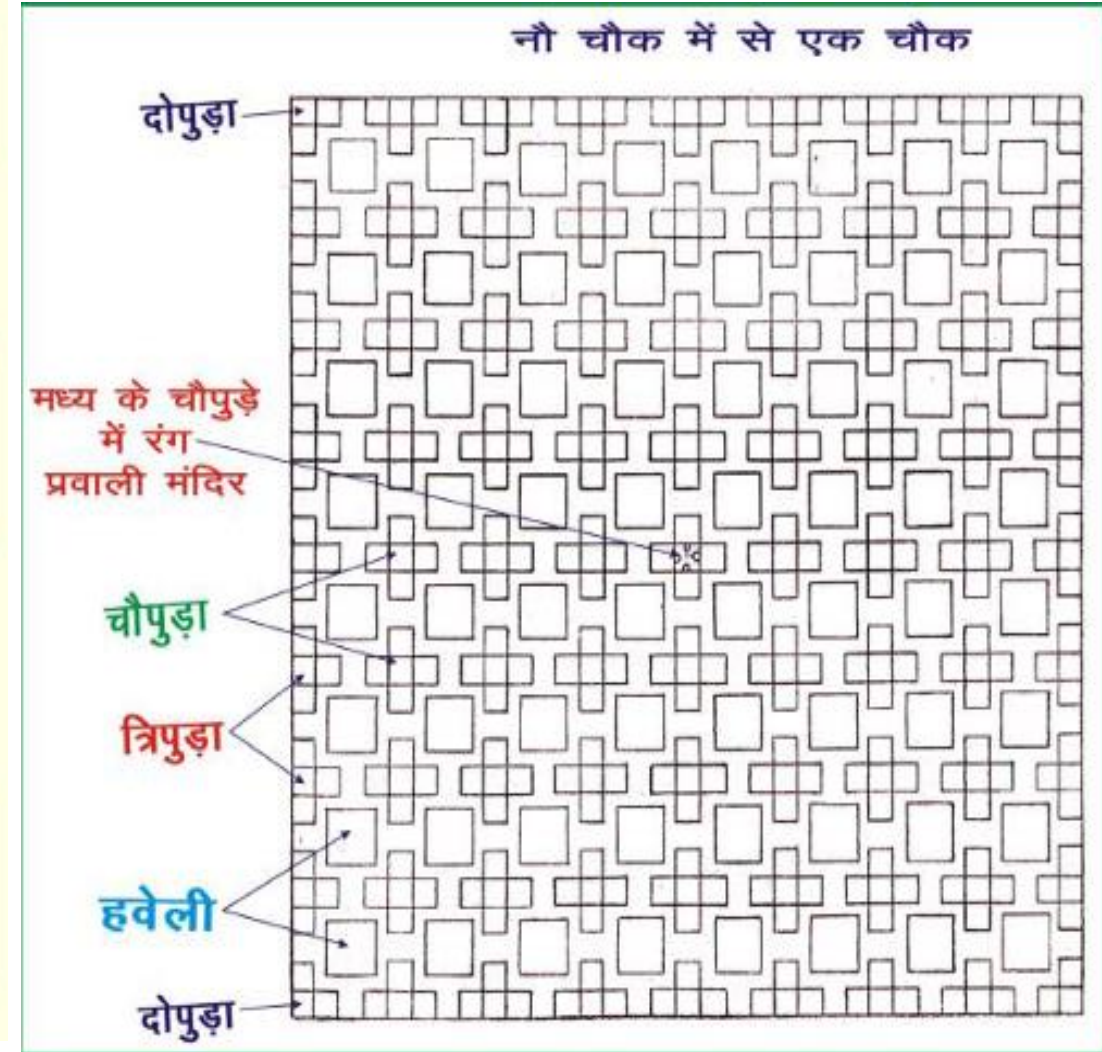
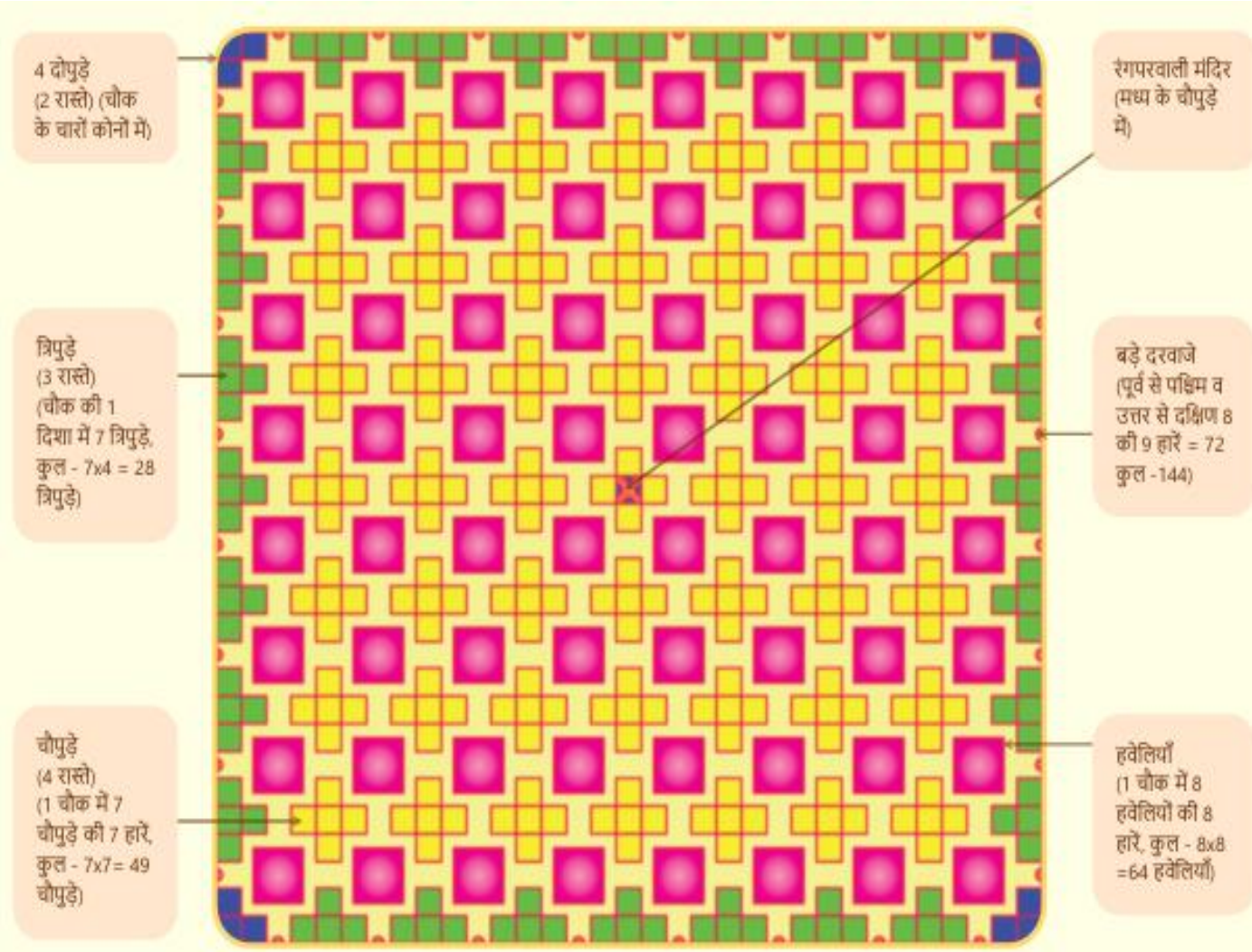


ऐ मंदिर रंग परवाली , सो मैं क्या कहूँ ताकी लाली ।
माहें अनेक रंगों की जोत , सो मैं कही न जाए उद्योत ॥ परि. 3/156





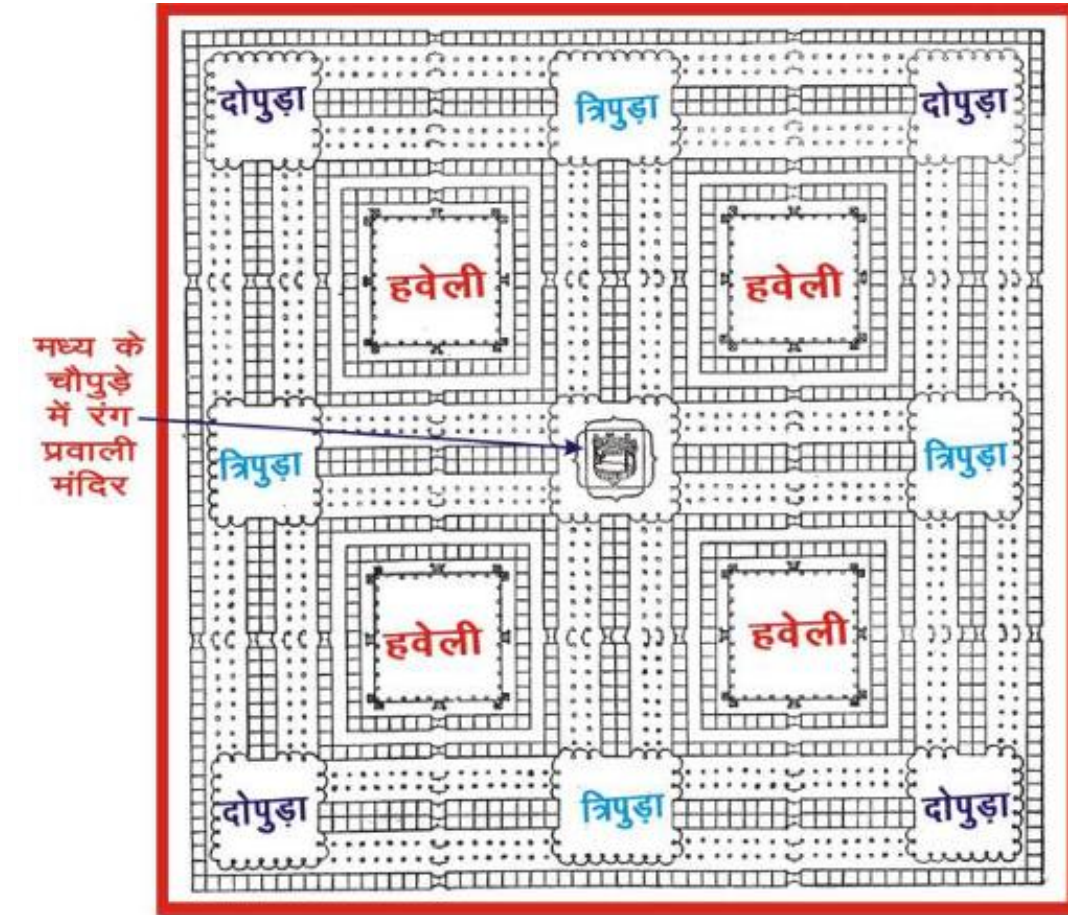




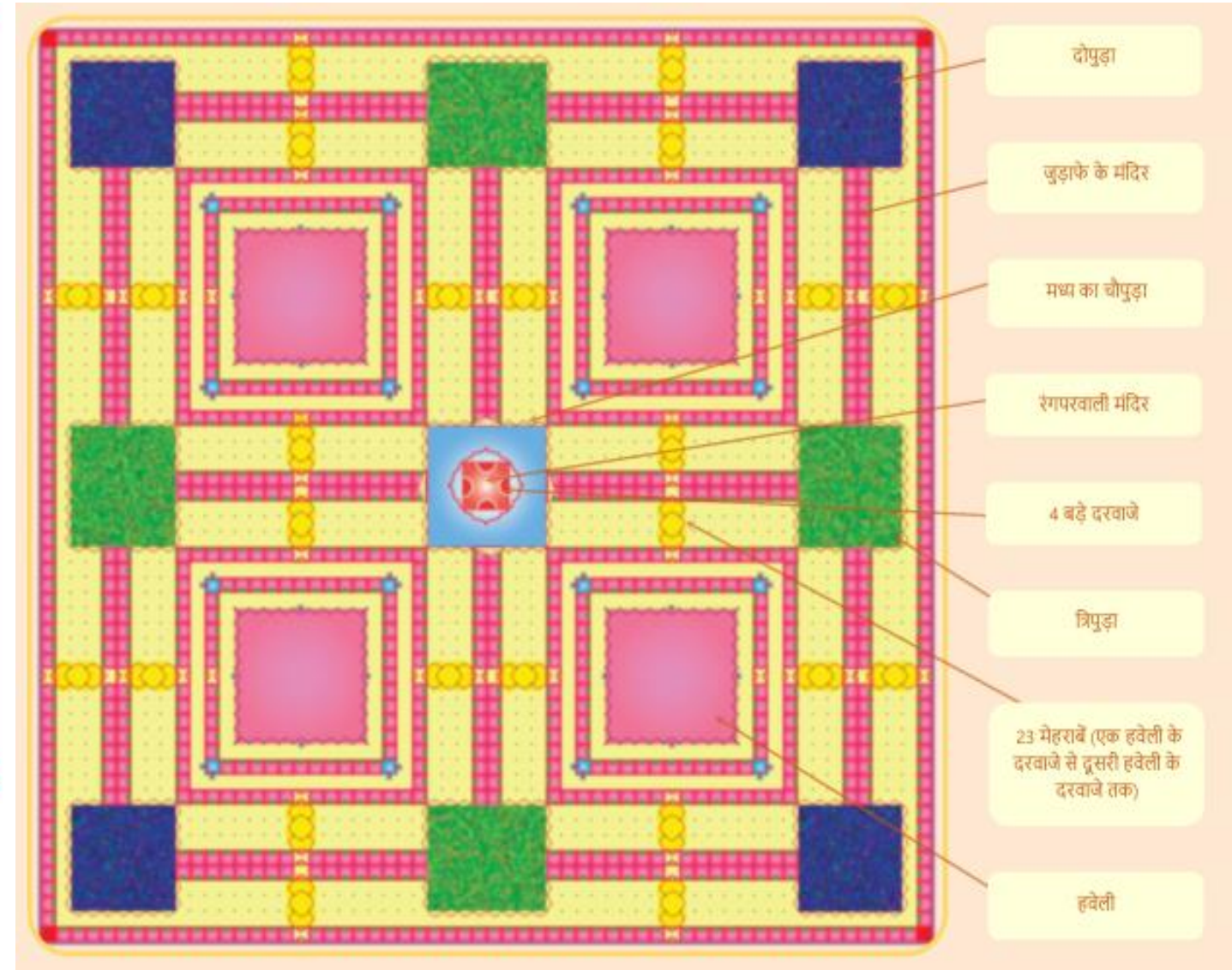
गिरद फिरते नूर मंदिर, नूर गिनती बारे हजार ।

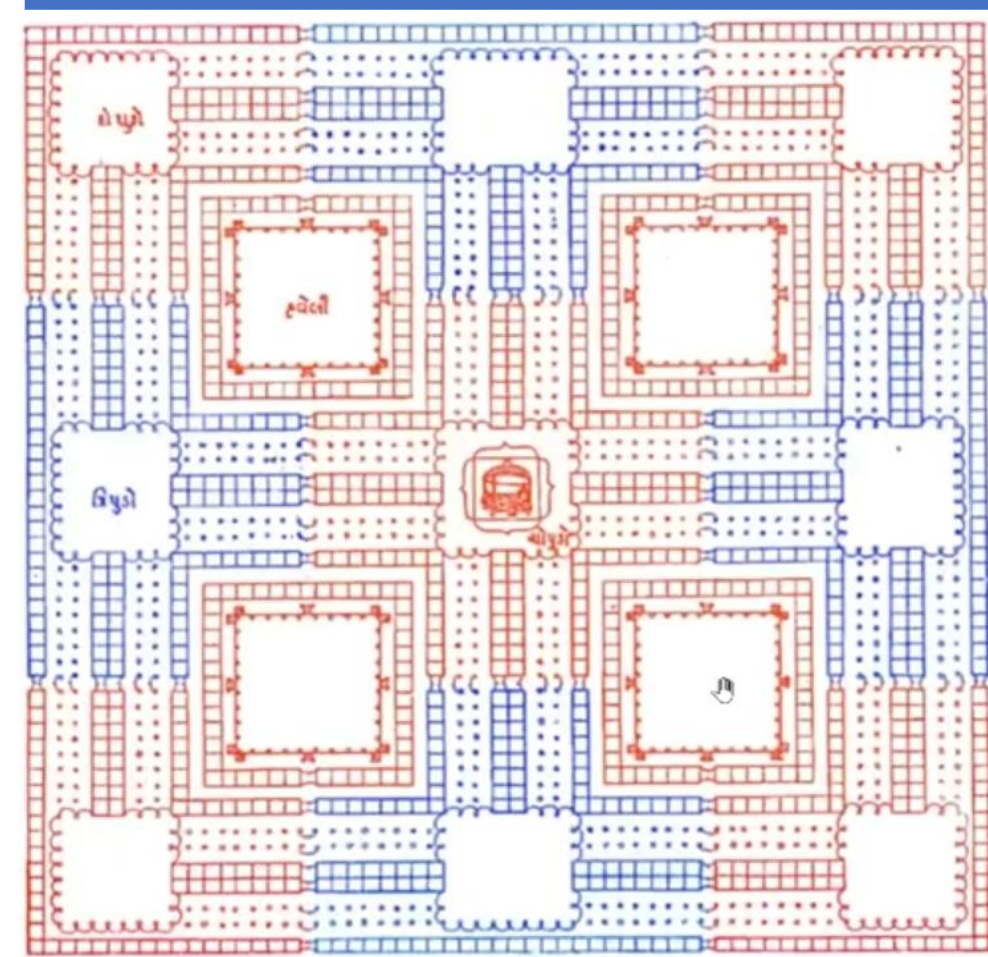
साम सामें मंदिर झलकत, नूर द्वार थम्भ कही जो हार ॥३९॥





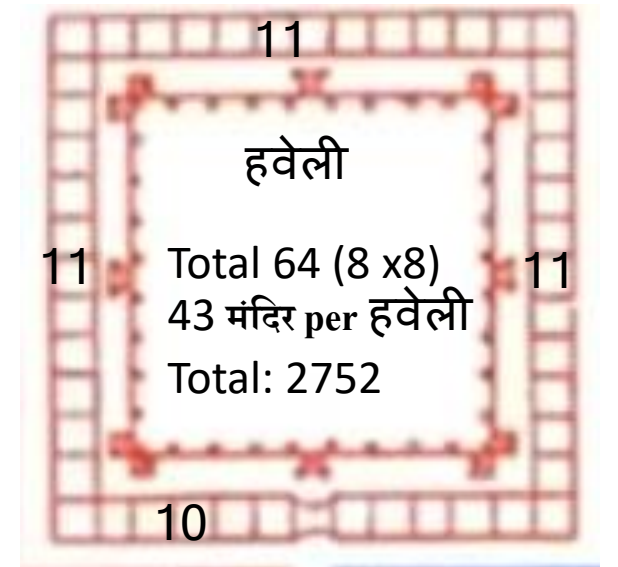
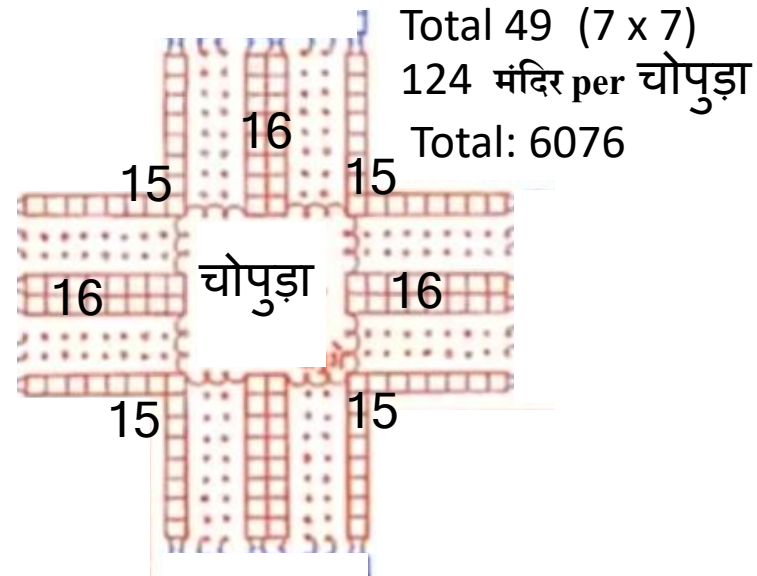
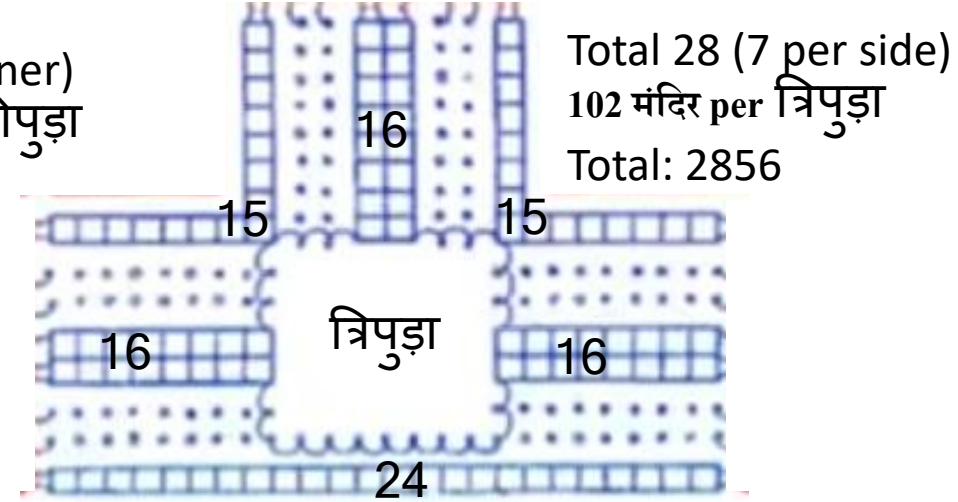
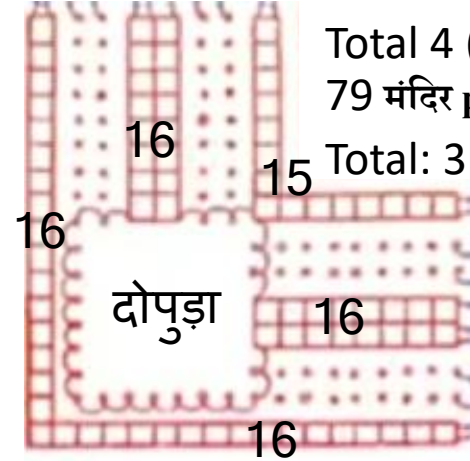
Note: Just for Understanding Calculation of 12000. Not a Real Presentation

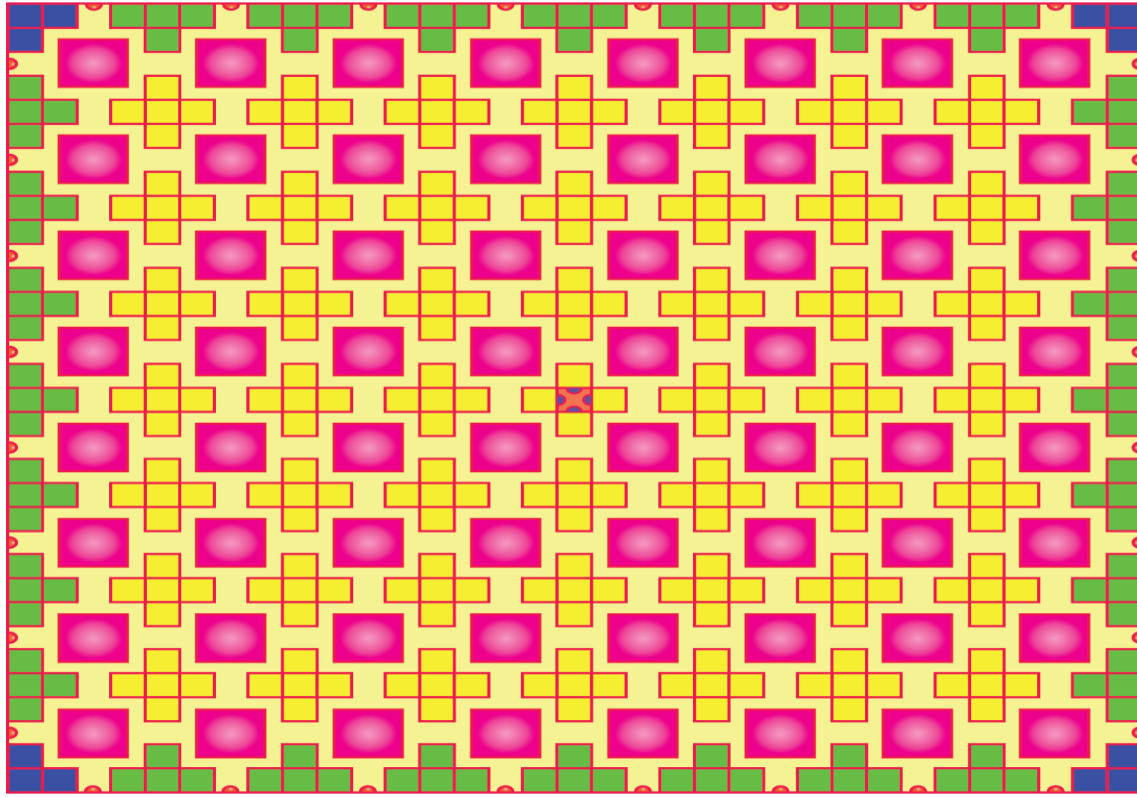




12000 शयन मंदिर

316 मंदिर दोपुड़ा + 2856 मंदिर त्रिपुड़ा
+ 6076 मंदिर चोपुड़ा + 2753 मंदिर हवेली = 12000 मंदिर





12000 शयन मंदिर & 1 रंग परवाली

Location	Total Locations	मंदिर One Location	Total मंदिर
दोपुड़ा	4 दोपुड़ा (4 Corner)	79 per दोपुड़ा	316
त्रिपुड़ा	28 त्रिपुड़ा (7 x 4 sides)	102 per त्रिपुड़ा	2856
चोपुड़ा	49 चोपुड़ा (7 x 7)	124 per चोपुड़ा 1 रंग परवाली मंदिर Center चोपुड़ा	6076
हवेली	64 हवेली (8 x 8)	43 per हवेली	2752

बड़े दरवाजे: 144 (बाहरनी साइड & जुदाफों मंदिर)

बड़े दरवाजे 2 Directions : पूर्वी to पश्चिम , उत्तर to दीक्षण
टोटल हारें in one Directions: 9 टोटल

दरवाजे पर हारें 8

टोटल दरवाजे One Directions : $8 \times 9 = 72$

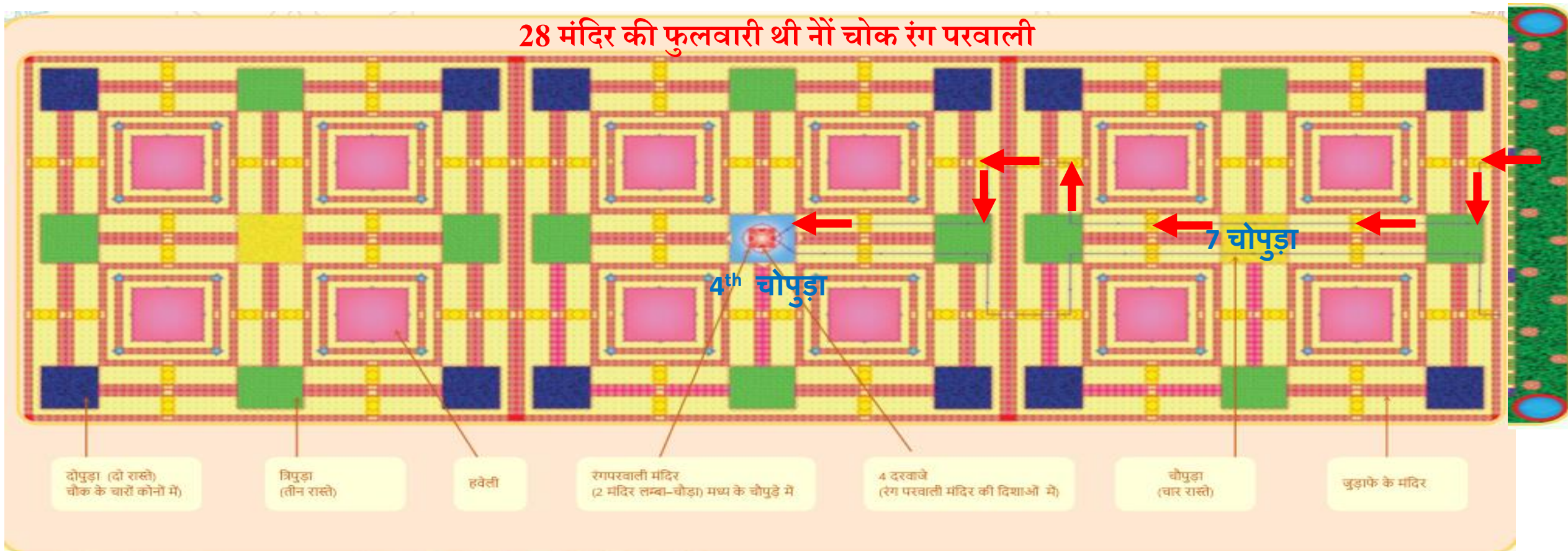
टोटल बड़े दरवाजे 2 Directions : $72 \times 2 = 144$

सुख बड़ो भोम पांचमी , मध्य मंदिर बारे हजार ।

बीच मोहोल स्यामाजी को , इन चारों तरफों द्वार ॥ परि. 31/78

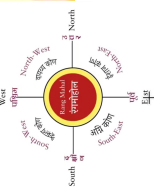


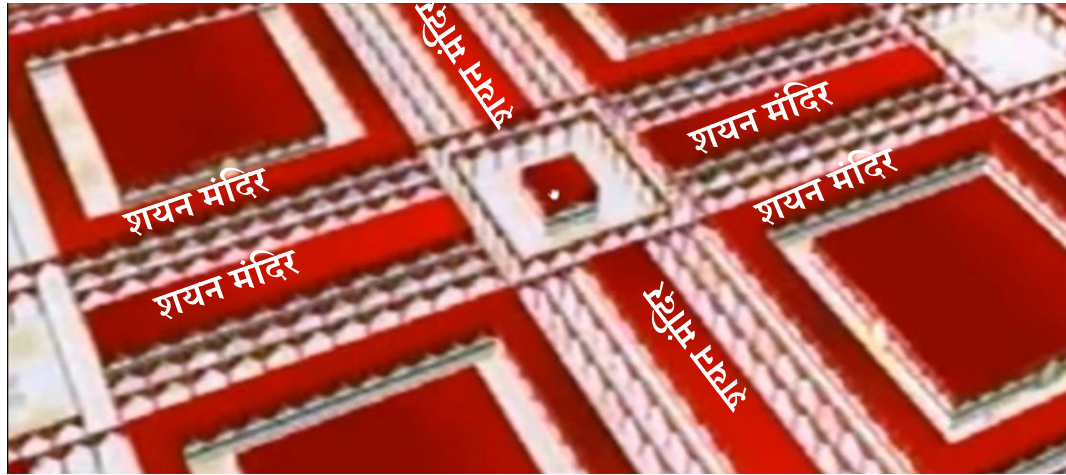
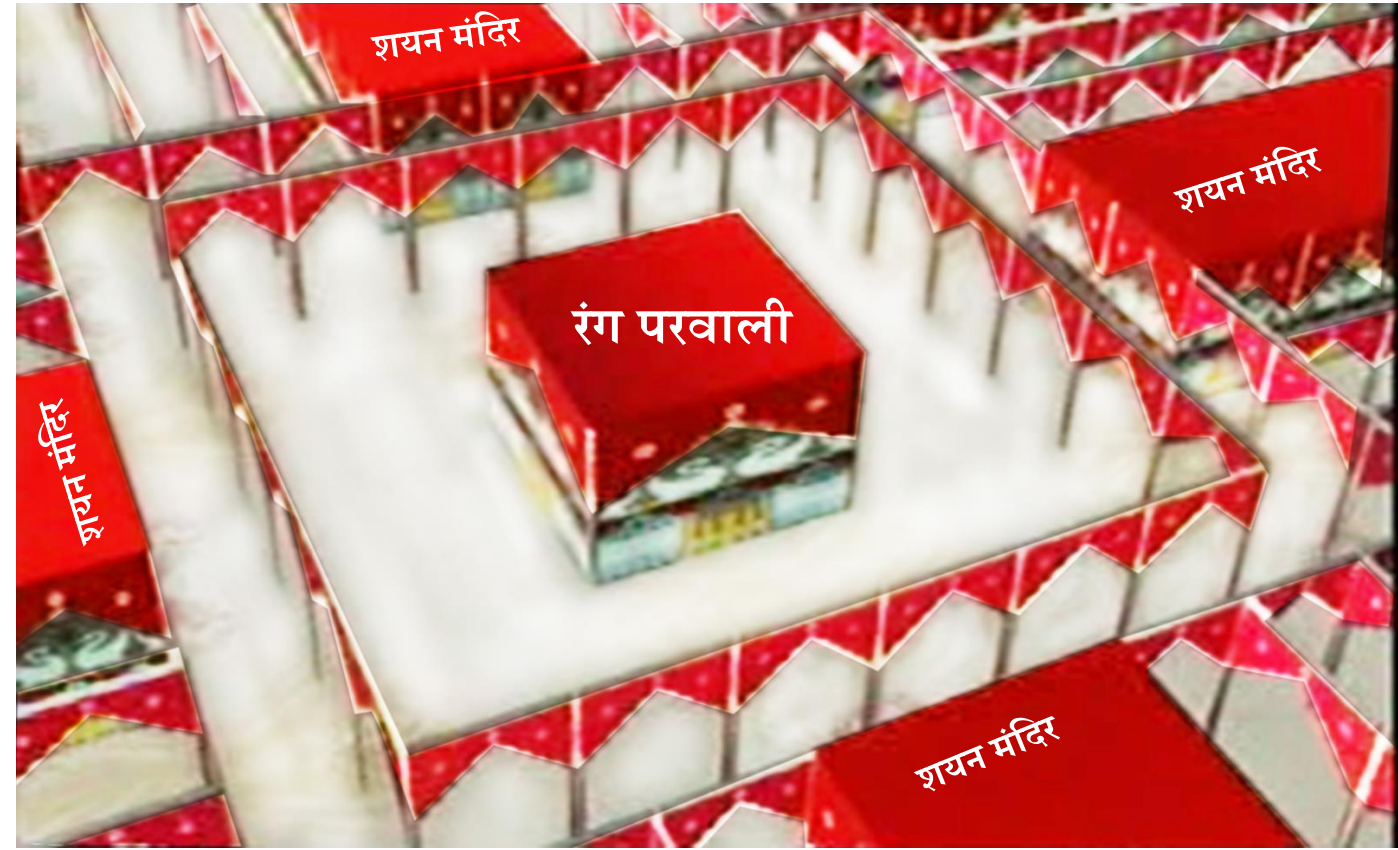
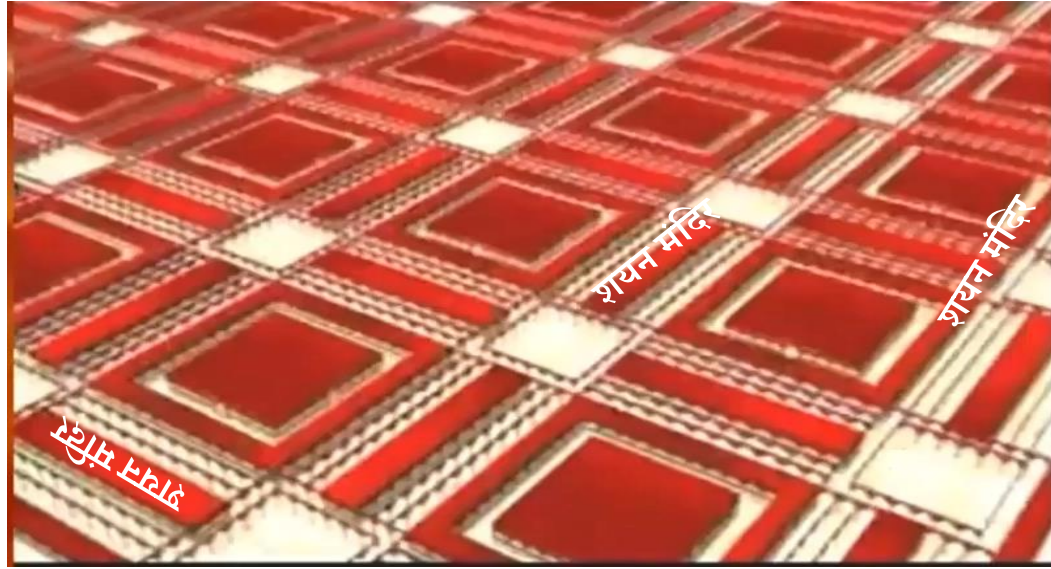
28 मंदिर की फुलवारी थी नों चोक रंग परवाली



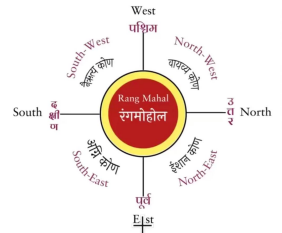
अब कहूं भोम पांचमी, जहां पौढ़न को पधारत ।
निरत देख के चढ़त है, पोहोर एक रात बखत ॥

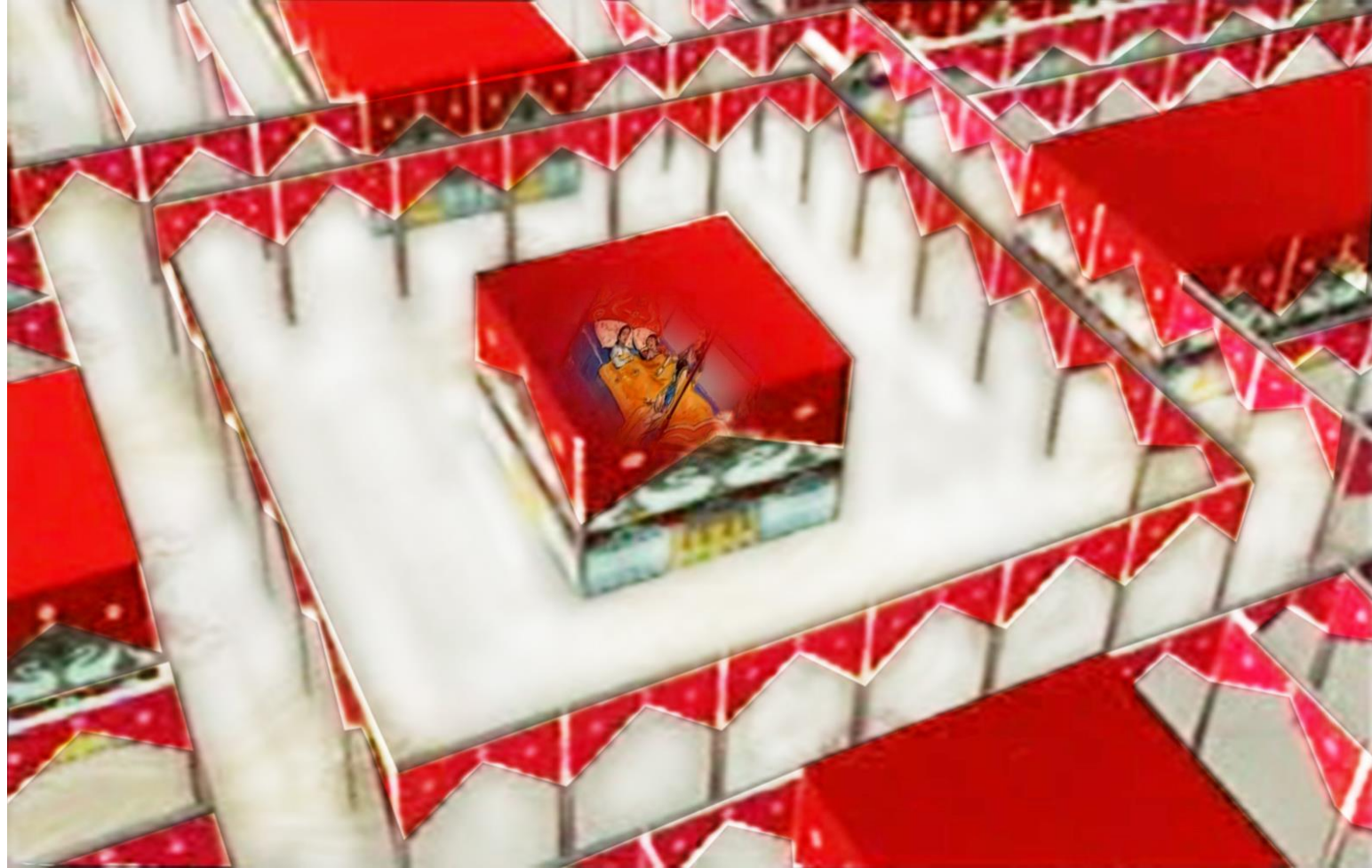
मध्य लाल परवाली मंदिर, इन चौक के दरम्यान ।
लाल रंग है तिन का, रहे मोमिन दिल पेहेचान ॥





रंग परवाली पिया जी को मन्दिर,
रंग परवाली पिया जी को मन्दिर।।टेक।।





भोम पांचमी मध की, इत पौढ़त हैं रात ।
स्याम स्यामाजी साथ सब, जोलों होए प्रभात ॥०१॥

अपने अपने मंदिर पधारो ,
भोम पांचमी रतनमयी है ॥४॥

रुहें कदमों लागत , सिर उठावत तब ॥
जाने आप अपनी सेज पर, बैठे संग श्रीराज ॥ बड़ी वृत्त 17 / 103,104

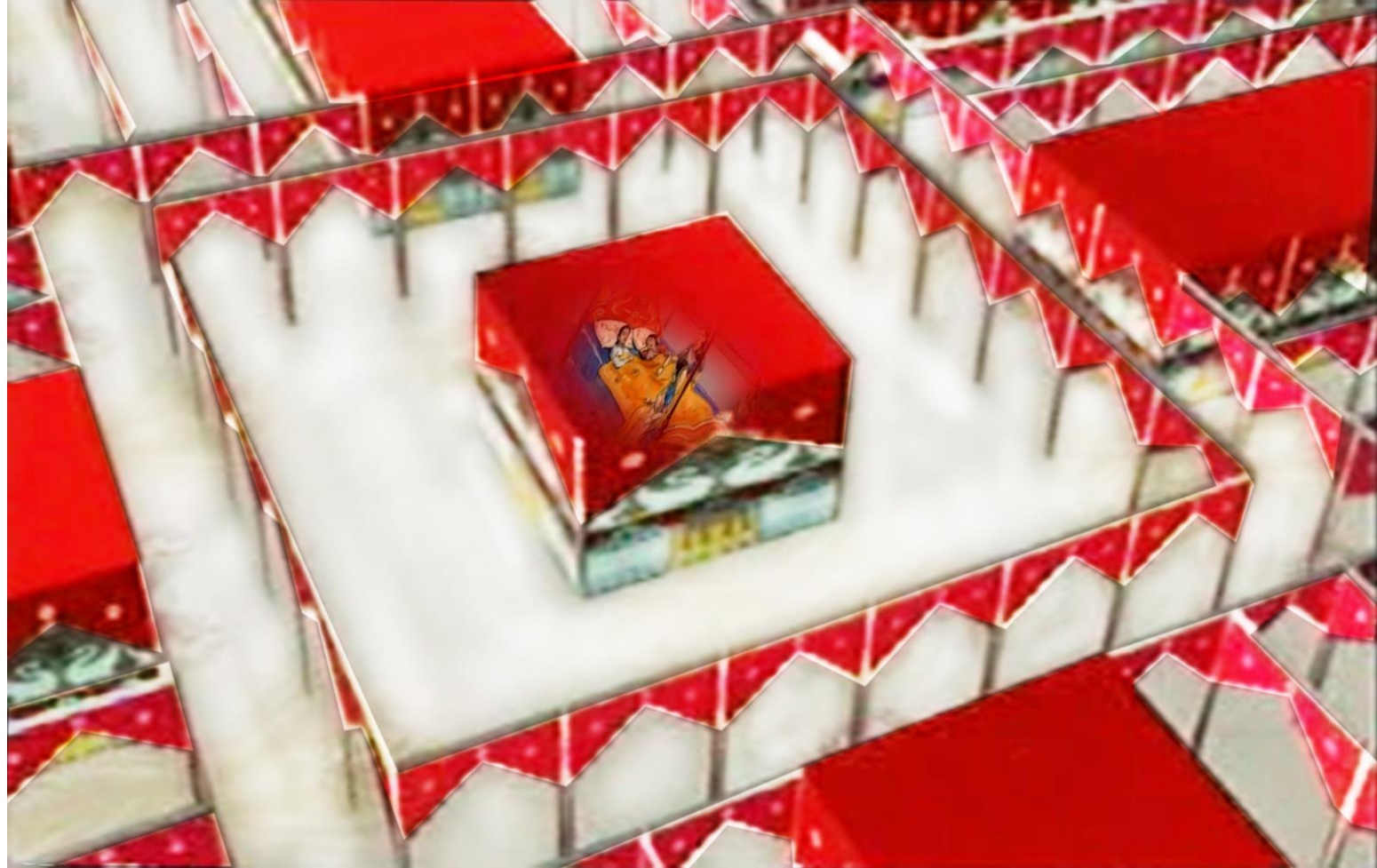


श्री धाम की आठ प्रहर की लीला – पाचमी भोम

6 to 8 प्रहर, 9:00 PM – 6:00 AM

पूनम: 7 & 8 पोहर (12:00 AM-6:00 AM)



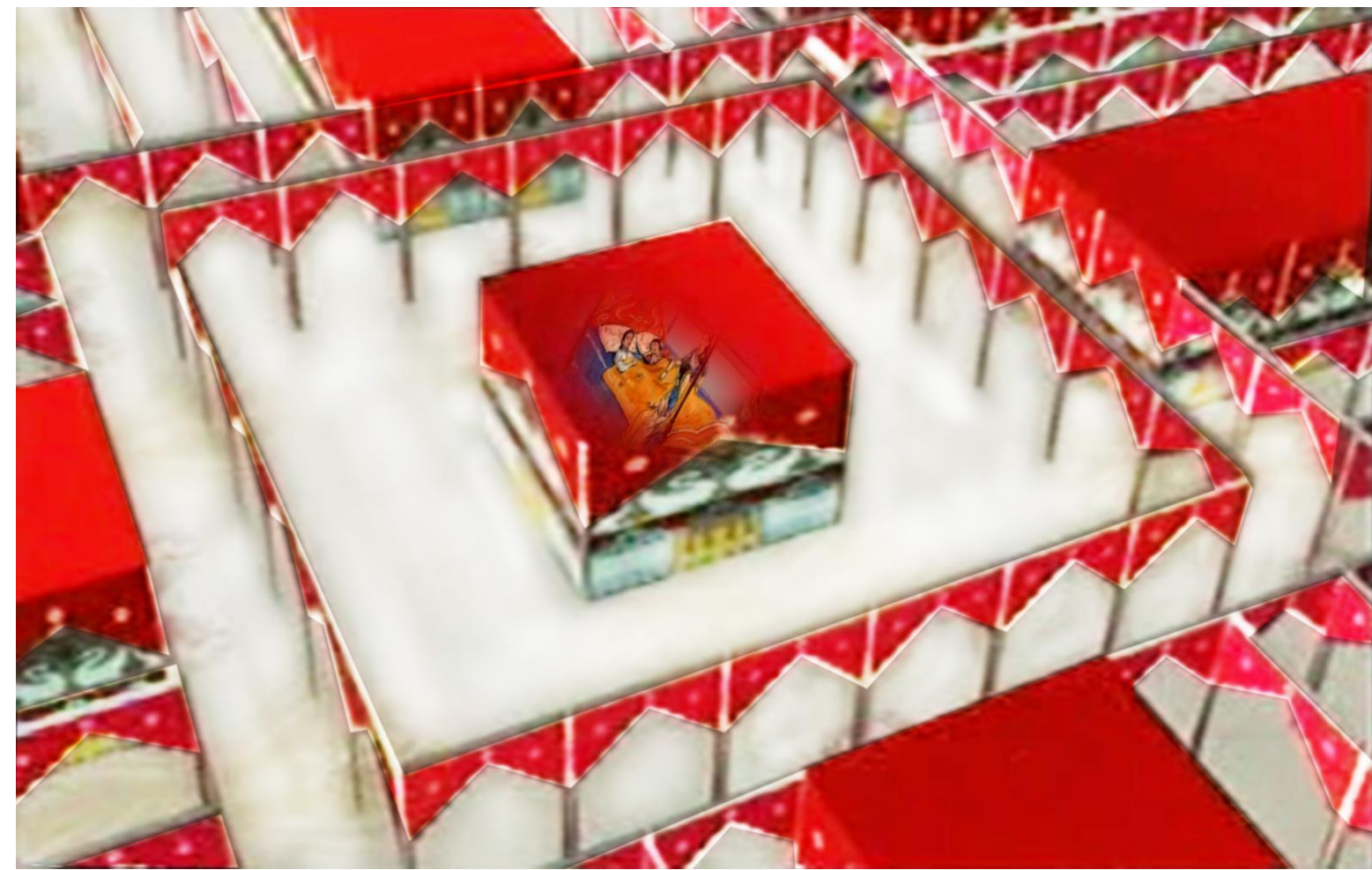


पोहोर रैनी लगे जो खेलावें, पीछे मुख अग्या करके बोलावें ।
इतहीं थें अग्या करी, पांउं लाग सेज्या दिल धरी ॥१५४॥
दर्ई अग्या सबों बड़ भागी, आइयां मंदिर चरनों लागी ।
श्री राज स्यामाजी सेज्या पधारे, कोई कोई वस्तर भूखन वधारे ॥१५५॥
ए मंदिर रंग-परवाली, सो मैं क्या कहूं ताकी लाली ।
माहें अनेक रंगों की जोत, सो मैं कही न जाए उद्योत ॥१५६॥
पीछल बीसक पिउ पासे रहियां, सो भी आइयां घरों सब सैयां ।
पिउजी सबों मन्दिरों पधारे, होत सेज्या नित विहारे ॥१५७॥

आवो जी वाला म्हारे घोर, आवो जी वाला ।
एकलडी परदेसमां, मूने मूकीने कां चाल्या ॥१॥
मूने हती नींदरडी, तमे सूती मूकी कां राते ।
जागी जोउं तां पीउ जी न पासे, पछे तो थासे प्रभाते ॥२॥
कलकली ने कहूं छूं तमनें, आवजो आणे खिणे ।
म्हारा मनना मनोरथ पूरजो, इंद्रावती लागे चरणें ॥३॥

उठो रे प्यारे पिया नवल विलासी,
प्रातः भयो चितरूप प्रकासी ।
क्रीड़ा रस रजनी रूप राजे,
प्रात भयो सुखा नवले साजे ।
निद्रा मद में आनन्द तरंगी,
लोचन रंग रंगीले रंगी ॥१॥





रैनी की उनीदी श्यामा पिउ पासे आइयाँ,
पिउ पासे आइयाँ, प्रीतम पासे आइयाँ ।।टेक।।
नैन अरुण सोहे रतिरंग भीने,
पिउ प्यारी मन्द मन्द मुस्काइयाँ ।।१।।
अतलस गेंदुवा सेत निहाली,
जाड़ो लगे पिया शाल ओढ़ाइयाँ ।
लटपटी पाग छूटे बंधा सोहे,
रंग सेज्या दोऊ लाल सोहाइयाँ ।।२।।

सुख को निधान जय जय सुख को निधान,
मंगल आरती सुखा को निधान ।
उठि बैठे सुखा सेज्या श्री राज,
संग अर्धांग अली लिये लाज ।।१।।
रैनि जगे जग मग दोउ नैना,
बोलत बोल मधुर मुखा बैना ।
निरखि निरखि हरखो ब्रह्मसृष्टि,
जुगल पिया जी सो जोड़े दृष्टि ।।२।।





OR

